बाछल माँ को खबर लगी | By Payal Sargam

बाछल माँ को खबर लगी जब
काछल के दरबार से
अर्जन सर्जन मारे गए रे
गोगा की तलवार से
बाछल माँ को खबर लगी जब.....

लिया है जब अपमान का बदला
श्रियल तो खुश होती है
मिटा वंश जब बहन का देखा
बाछल रानी रोती है
बेटा अब तू मुख ना दिखाना
चला जा मेरे द्वार से
बाछल माँ को खबर लगी जब.....

अपनी माँ के वचन सुने तू
घर आँगन सब छोड़ा है
गोगाजी फिर चले वहां से
घोड़े का मुख मोड़ा है
श्रियल का फिर आँचल भीगा
आंसुओ की धार से
बाछल माँ को खबर लगी जब.....

रात को रानी से मिलकर जब
सुबह को गोगा जाते हैं
रुक जा बेटा माता बोली
गोगा ना रुक पाते है
समां गए धरती के अंदर
मुख मोड़ा संसार से
बाछल माँ को खबर लगी जब.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%9b%e0%a4%b2-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%96%e0%a4%ac%e0%a4%b0-%e0%a4%b2%e0%a4%97%e0%a5%80-by-payal-sargam/